



सत्यमेव जयते



संदेश

DR. JITENDRA SINGH

Minister of State (Independent Charge),
Ministry of Science & Technology,
Ministry of Earth Sciences,
Minister of State, Prime Minister's Office,
Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions,
Department of Atomic Energy & Department of Space,
Government of India

डॉ. जितेन्द्र सिंह

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,
राज्य मंत्री प्रधान मंत्री कार्यालय,
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय,
परमाणु उर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग,
भारत सरकार

आप सभी को हिंदी दिवस (14 सितंबर) की हार्दिक शुभकामनाएं।

राजभाषा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग को, 300 से कम कार्मिक वाले मंत्रालयों/विभागों की श्रेणी में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (प्रथम) के लिए चयनित किए जाने पर विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई।

पूरी दुनिया में हिंदी तीसरे नंबर पर सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। विश्व में 615 मिलियन लोग हिंदी बोलते हैं। किसी देश की पहचान उस देश की भाषा से होती है। भारतवर्ष की पहचान हिंदी भाषा है। विविधताओं से भरे हमारे देश में हिंदी भाषा आजादी से पहले, आजादी की लड़ाई के दौरान और आजादी मिलने के बाद भी एकता की कड़ी के रूप में लोकप्रिय बनी हुई है। स्वतंत्र भारत की संविधान सभा द्वारा गहन चिंतन मनन करके 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया था। इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में, देवनागरी को अपनाया।

किसी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति, सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा से ही हो सकती है। इतिहास का यह कालखण्ड जहां एक ओर आजादी का अमृत काल है, वहीं दूसरी ओर विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए कर्तव्य काल है। आज भारतवर्ष नई ऊर्जा, नई स्फूर्ति, नए उत्साह, नए उल्लास, नए विश्वास, नए सामर्थ्य के साथ, नई ऊँचाइयों की बुलंदियों को छू रहा है। आइए, इस हिंदी दिवस के अवसर पर संकल्प लें कि हम सब स्थानीय रूप से अपनी-अपनी मातृभाषा को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपने सरकारी काम-काज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके, राष्ट्र का गौरव बढ़ाने में अपना योगदान दें।

जय हिंदी, जय भारत।

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)